पाठ 16. कचरा-संग्रहण एवं निपटान

अध्याय समीक्षा

- भराव क्षेत्र वह स्थान है, जहाँ शहर अथवा नगर के कचरे को एकत्र करके पाटा जाता है। कालांतर में इस क्षेत्र में पार्क बना देते हैं।
- हमारे दैनिक क्रियाकलापों से कचरा उत्पन्न होता है |
- कचरे में उपयोगी और अनुपयोगी दोनों अवयव होते हैं। अनुपयोगी अवयव को पृथक कर लेते हैं और फिर इसे भराव क्षेत्र में फैलाकर मिट्टी की परत से ढक देते हैं।
- लगभग अगले 20 वर्षों तक भराव क्षेत्र पर कोई भवन निर्माण नहीं किया जाता।
- कचरे के उपयोगी अवयव के निपटान के लिए भराव क्षेत्रों के पास कम्पोस्ट बनाने वाले क्षेत्र विकसित किए जाते हैं।
- कुछ पदार्थों के विगलित और खाद में परिवर्तित होने की प्रक्रिया को **कम्पोस्टिंग** कहते हैं।
- कुछ शहरों तथा नगरों में नगरपालिकाएँ दो प्रकार के कचरे को एकत्र करने के लिए दो पृथक कूड़ेदान प्रदान करती हैं।
- प्रायः एक का रंग नीला तथा दूसरे का रंग हरा होता है। **नीले कूड़ेदान** में पुनः उपयोग किए जा सकने वाले पदार्थ डाले जाते हैं जैसे प्लास्टिक धातुएँ तथा काँच।
- **हरे कूड़ेदान** रसोई तथा अन्य पादप अथवा जंतु अपशिष्टों को एकत्र करने के लिए होते हैं।
- किसानों द्वारा कटाई के पश्चात् खेतों में सूखी पत्तियाँ फसली पादपों के अपशिष्ट तथा भूसे जैसे अपशिष्टों को जलाया जाता है, इन्हें जलाने से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक गैसें तथा धुआँ उत्पन्न होता है।
- लाल केंचुओं की सहायता से कंपोस्ट बनाने की इस विधि को 'वर्मीकम्पोस्टिंग' अथवा कृमिकम्पोस्टिंग' कहते हैं।
- लाल केंचुओं में एक विशेष संरचना होती है जिसे गिजर्ड कहते हैं जो भोजन को पिसने में सहायता करता है |
- लाल कृमि एक दिन में अपने शरीर के भार के बराबर आहार खा सकता है |
- लाल केंचुए बहुत गर्म अथवा ठंडे वातावरण में जीवित नहीं रह सकते। उन्हें अपने आस-पास नमी की आवश्यकता होती है।
- वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग फसल में खाद के रूप में होते है |
- बाजार से वस्तुओं के संग्रह के लिए प्लास्टिक की थैलियों की जगह कागज की थालियों का प्रयोग करना चाहिए |
- कुछ प्रकार के प्लास्टिकों का पुनःचक्रण किया जा सकता है, परंतु सभी प्रकार के प्लास्टिकों का पुनःचक्रण नहीं किया जा सकता।
- उपयोग हो चुकी वस्तुओं को नई वस्तु बनाकर पुन: उपयोग में लाना पुन: चक्रण कहलाता है |
- कागज का पुनःचक्रण संभव है तथा पुनःचक्रण द्वारा बने कागज से उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं।

Q1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(क) लाल केंचुए किस प्रकार के कचरे को कम्पोस्ट में परिवर्तित नहीं करते?

उत्तर: लाल केंचुए अजैव निम्नीकरणीय कचरे को कम्पोस्ट में परिवर्तित नहीं करते हैं |

(ख) क्या आपने अपने कम्पोस्ट-गड्ढे में लाल लाल केंचुओं अतिरिक्त किसी अन्य जीव को भी देखा है? यदि हाँ, तो उनका नाम जानने का प्रयास कीजिए। उनका चित्र भी बनाइए।

Q2. चर्चा कीजिए:

(क) क्या कचरे का निपटान केवल सरकार का ही उत्तरदायित्व है?

(ख) क्या कचरे के निपटान से संबंधित समस्याओं को कम करना संभव है?

Q3. (क) घर में बचे हुए भोजन का आप क्या करते हैं?

(ख) यदि आपको एवं आपके मित्रों को किसी पार्टी में प्लास्टिक की प्लेट अथवा केले के पत्ते में खाने का विकल्प दिया जाए, तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

Q4. (क) विभिन्न प्रकार के कागज के टुकड़े एकत्र कीजिए। पता कीजिए कि इनमें से किसका पुनःचक्रण किया जा सकता है?

(ख) लेंस की सहायता से कागजों के उन सभी टुकड़ों का प्रेक्षण कीजिए जिन्हें आपने उपरोक्त प्रश्न के लिए एकत्र किया था। क्या आप कागज की नई शीट एवं पुनःचक्रित कागज की सामग्री में कोई अंतर देखते हैं?

Q5. (क) पैकिंग में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ एकत्र कीजिए। इनमें से प्रत्येक का किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया था? समूहों में चर्चा कीजिए।

(ख) एक ऐसा उदाहरण दीजिए जिसमें पैकेजिंग की मात्रा कम की जा सकती थी।

(ग) पैकेजिंग से कचरे की मात्रा किस प्रकार बढ़ जाती है, इस विषय पर एक कहानी लिखिए।

Q6. क्या आपके विचार में रासायनिक उर्वरक के स्थान पर अपेक्षाकृत कम्पोस्ट का उपयोग उत्तम होता है?

लघु-उत्तरीय प्रश्नोत्तर :

प्रश्न 1: भराव क्षेत्र किसे कहते है ?

उत्तर: सफाई कर्मचारी कूड़ा एकत्र ट्रकों द्वारा निकाहाले खुले क्षेत्रों में, जहाँ गहरे गड्ढे होते हैं ले जाते हैं | इन खुले क्षेत्रों को भराव क्षेत्र कहते है |

प्रश्न 2: कम्पोस्टिंग किसे कहते है ?

उत्तर: रसोई घर के अपशिष्ट सहित पौधों एवं जंतु अपशिष्टों को खाद में परिवर्तित करना कंपोस्टिंग कहलाता है |

प्रश्न 3: हमें सुखी पत्तियाँ क्यों नहीं जलाना चाहिए ?

उत्तर: सुखी पत्तियाँ, फसली पादपों के अपशिष्ट तथा भूसे जैसे अपशिष्टों को जलाने पर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक गैसें तथा धुआं उत्पन्न होता है |

प्रश्न 4: वर्मीकम्पोस्टिंग या कृमिकम्पोस्टिंग किसे कहते है ?

उत्तर: लाल केंचुओं की सहायता से कम्पोस्ट बनाने की इस विधि को वर्मीकम्पोस्टिंग या कृमिकम्पोस्टिंग कहते है |

प्रश्न 5: लाल केंचुआ अपना भोजन को कैसे तोड़ते है ?

उत्तर: लाल केंचुए के दांत नहीं होते | अत: इनमें एक विशेष संरचना होती है जिसे 'गिजर्ड' कहते हैं जो भोजन को पिसने ने इनकी सहायता करता है |

प्रश्न 6: लाल केंचुआ किस प्रकार के कचरे को कम्पोस्ट में परिवर्तित नहीं करते हैं ?

उत्तर: लाल केंचुए अजैव निम्नीकरणीय कचरे को कम्पोस्ट में परिवर्तित नहीं करते हैं |

प्रश्न 7: घर में बचे हुए भोजन का आप क्या करते हैं ?

उत्तर: घर में बचे हुए भोजन को हम भूखे जंतुओं को खिला देते है |

प्रश्न 8: पुन:चक्रण क्या है ?

उत्तर: घरों में उपयोग के बाद उपजे अपशिष्टों को पुन: फैक्टरियों से नए पदर्थों का बनकर आना और दुबारा उपयोग लायक बनाना पुन:चक्रण कहलाता है |

प्रश्न 9: किन-किन पदार्थों का पुन:चक्रण होता है ?

उत्तर: प्लास्टिक, सीसा, रबड़ और धातुओं की बनी वस्तुएँ |